योजना | केंद्र को डीपीआर भेजी गयी, 3400 करोड़ रुपये से पुराने एनएच-30 के दोनों तरफ तीन-तीन लेन एलिवेटेड का होगा निर्माण

अनीसाबाद-गुरुद्वारा मोड़ एलिवेटेड कॉरिडोर 6 लेन का होगा

- केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय कैबिनेट में लाएगा प्रस्ताव
- जीरो माइल सहित प्रमुख जगहों पर चढ़ने और उतरने के लिए बनेंगे आठ रैंप

पटना, हिन्दुस्तान प्रतिनिधि।

अनीसाबाद से गुरुद्वारा मोड़ तक बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर का डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) केंद्र को भेज दिया गया है। एनएचएआई के पटना स्थित क्षेत्रीय कार्यालय ने डीपीआर भेजा है। पुराने एनएच-30 के दोनों तरफ तीन-तीन लेन के एलिवेटेड का निर्माण होगा। पहले पुराना एनएच-30 के एक तरफ फोरलेन एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने को लेकर डीपीआर तैयार करना था। इसकी अनुमानित लागत लगभग 2000 करोड़ रुपये थी, लेकिन डीपीआर तैयार करने के दौरान किए गए अध्ययन में पता चला कि फोरलेन बनने के बाद भी यातायात व्यवस्था सामान्य नहीं होगी। इसी कारण छह लेन एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का निर्णय लिया गया। इसके आधार पर डीपीआर तैयार हुआ। इसमें निर्माण लागत 3400 करोड़ रुपये पहुंच गयी। जबकि 1.3 हेक्टेयर जमीन भी अधिग्रहण होगा। निर्माण लागत अधिक होने के कारण केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी लेनी होगी। इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से डीपीआर की मंजूरी के बाद कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। प्रस्ताव पर मोहर लगते ही टेंडर निकाला जाएगा।

13 किमी की दूरी तय करने में लग रहे दो घंटे

13.14 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर में आठ रैंप का निर्माण होगा। इसमें सबसे अधिक जीरो माइल के समीप चारों दिशाओं से उतरने और चढ़ने के लिए चार रैंप का निर्माण होगा। अन्य प्रमुख जगहों पर भी रैंप बनेंगे। न्यू बाईपास पर प्रतिदिन 1.5 से 1.75 लाख पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) गाड़ियों का दबाव है। यही कारण है कि लगभग 13 किलोमीटर दूरी तय करने में अभी गाड़ियों को डेढ़ से दो घंटे का समय लग जाता है। एलिवेटेड बनने से पटना शहर की यातायात व्यवस्था में काफी सुधार होगी। हालांकि न्यू बायपास स्थित एनएच पर मेट्रो का निर्माण हो रहा है। इससे 90 फीट, खेमनीचक और जीरो माइल के समीप एलिवेटेड को ऊंचा बनाया जाएगा।

13.14
किलोमीटर लंबे छह लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का होना है निर्माण

एम्स आने-जाने वाले मरीजों को भी होगी सुविधा

छह लेन एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण से आवागमन में सुविधा होगी और समय भी बचेगा। यह एलिवेटेड बेऊर मोड़ से अनीसाबाद होते हुए एम्स गोलंबर तक बनने वाले फोरलेन एलिवेटेड कॉरिडोर से भी जुड़ेगा। इससे एम्स आने-जाने वाले मरीजों को भी सुविधा होगी। बेगूसराय-भागलपुर की तरफ से आने वालों को एम्स गोलंबर तक आने में छह लेन और फोरलेन सड़क मिलेगी। अभी दीदारगंज से मोकामा तक ग्रीनफील्ड फोरलेन चालू है, जबकि मोकामा से मुंगेर के बीच ग्रीनफील्ड फोरलेन के लिए निविदा जारी है। मुंगेर से मिर्जाचौकी के बीच ग्रीनफील्ड फोरलेन का निर्माण जारी है। दूसरे जिलों से आनेवाले जिन्हें पटना से पूरब या पश्चिम की ओर जाना है, वे आसानी से इसका इस्तेमाल कर सकेंगे।